

Class – M.A. IInd Sem. IV<sup>th</sup>

Subject – Hindi हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

Paper- XVIII

Time Allowed : 3 Hours

Maximum Marks : 80

प्रथम-भाग

( लघु-उत्तरापेक्षी प्रश्न )

नोट :- किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न छः अंकों का है-

8x6=48

- (i) हिन्दी शब्द रचना के अंतर्गत 'उपसर्ग' को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- (ii) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के वर्गीकरण के संबंध में ग्रियर्सन एवं सुनीतिकुमार चैटर्जी का मत प्रस्तुत करें।
- (iii) 'प्रत्यय' की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
- (iv) 'पालि भाषा' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- (v) अपभ्रंश पर सारगर्भित ढंग से विचार कीजिए।
- (vi) हिन्दी वाक्य रचना में 'अन्विति' का महत्व बताइये।
- (vii) प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं के अंतर्गत वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय दीजिए।
- (viii) 'अर्धमागधी' तथा 'मागधी' की विशेषताएं बताते हुए उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- (ix) हिन्दी की व्याकरणिक कोटियों में 'वाच्य' पर संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- (x) 'शौरसेनी प्राकृत' का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- (xi) हिन्दी की व्याकरणिक कोटियों में 'पुरुष' पर प्रकाश डालिए।
- (xii) पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी की तुलना कीजिए।

भाग-ख

नोट: किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न सोलह अंकों का है।

16×2=32

- (i) हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
- (ii) लिपि की परिभाषा देते हुए उसके विकास एवं भारत की प्रमुख लिपियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- (iii) देवनागरी लिपि का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं एवं गुण-दोषों का उल्लेख कीजिए।

\*\*\*\*\*